www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 ईरान सुलग रहा है, सत्ता कांप रही है...

3 जमीन की रजिस्ट्री न किए जाने पर एमडी शुगर मिल...

4 परख मदन के लिए मुश्किल था लंबी बीमारी के...

वर्ष: 10 | अंक: 78 | दिल्ली, शनिवार, 10 जनवरी 2026 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

सौराष्ट्र क्षेत्र में भूकंप के झटके, कोई हताहत नहीं

गुजरात (एजेन्सी)। गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में बृहस्पतिवार रात से शुक्रवार अपराह्न के बीच भूकंप के कई झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटकों की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 2.6 से 3.8 के बीच रही। भूकंप के कम से कम 12 झटके महसूस किए गए। भूकंप के कारण राजकोट जिले के तीन तालुकों के लोगों में दहशत फैल गई, जिसके चलते कई लोगों ने एहतियात के तौर पर खेतों में शरण ली। हालांकि, राजकोट के जिलाधिकारी ओम प्रकाश ने कहा कि जिले के उपलेटा, धोराजी और जेतपुर तालुकों में भूकंप के 21 झटके महसूस किए गए, जिसमें भूकंप की तीव्रता 1.4 से लेकर 3.8 तक रही। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के कारण अभी तक किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। एक अधिकारी ने बताया कि भूकंप का पहला झटका बृहस्पतिवार रात 8.43 बजे दर्ज किया गया, जिसकी तीव्रता 3.3 थी। भूकंप का केंद्र उपलेटा कस्बे के पास था।

ममता बनर्जी के समर्थन में महबूबा मुफ्ती, बोलीं- वो शेरनी हैं, झुकेंगी नहीं

नई दिल्ली (एजेन्सी)। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को शेरनी बताते हुए कहा कि टीएमसी प्रमुख बहुत बहादुर हैं और आत्मसमर्पण नहीं करेंगी। पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित आईपीएसी कार्यालय पर ईडी की छापेमारी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विरोध पर पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि मैंने पहले भी कहा है कि जम्मू-कश्मीर एक परीक्षण प्रयोगशाला बन गया है और यही बात अन्य राज्यों पर भी लागू होती है। चाहे एनआईए हो, ईडी हो या अन्य, केंद्रीय एजेंसियों द्वारा यहां छापेमारी आम बात है, लेकिन अब यह अन्य राज्यों में भी फैल रही है। महबूबा मुफ्ती ने साफ तौर पर कहा कि मुझे उम्मीद है कि ममता बनर्जी साहसी होंगी। वह शेरनी हैं; वह इनसे सख्ती से निपटेंगी। उन्होंने अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद खुद, फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए कहा कि जब अनुच्छेद 370 निरस्त किया गया, जब छापे मारे गए और जब तीन मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला गया, तब अधिकांश राजनीतिक दलों ने चुप्पी साधे रखी।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भारतीय भाषाओं पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का किया उद्घाटन

देश की भाषाओं ने राष्ट्र को विभाजित नहीं किया है, बल्कि एकजुट किया है: उपराष्ट्रपति

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने नई दिल्ली में भारतीय भाषाओं पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। यह सम्मेलन वैश्विक हिंदी परिवार, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र और दिल्ली विश्वविद्यालय के भारतीय भाषा विभाग द्वारा आयोजित किया गया था।

विद्वानों, भाषाविदों और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने भाषा को सभ्यता की अंतरात्मा बताया, जो पीढ़ियों तक सामूहिक स्मृति, ज्ञान प्रणालियों और मूल्यों को संजोए रखती है। उन्होंने कहा कि प्राचीन शिलालेखों और ताड़ के पत्तों पर लिखी पांडुलिपियों से लेकर आज की डिजिटल लिपियों तक, भाषाओं ने दर्शन, विज्ञान, कविता और नैतिक परंपराओं को संरक्षित किया है जो मानवता को परिभाषित करती हैं।

चेन्नई में हाल ही में आयोजित सिद्ध दिवस समारोह में अपनी भागीदारी को याद करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने बड़ी संख्या में ताड़ के पत्तों पर लिखी पांडुलिपियां देखीं, जो देश की विशाल और बहुभाषी ज्ञान परंपराओं की अमिट गवाही देती हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय भाषा ने दर्शन, चिकित्सा, विज्ञान, शासन और आध्यात्मिकता में गहरा योगदान दिया है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश की अनेक भाषाओं ने कभी भी राष्ट्र को विभाजित नहीं किया; बल्कि, उन्होंने एक साझा सभ्यतागत लोकाचार और एक समान धर्म को संरक्षित और मजबूत किया है। राज्यसभा के अध्यक्ष के रूप में संसद के अपने पहले सत्र के अनुभव को साझा करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि अब अधिकाधिक सांसद अपनी-अपनी मातृभाषा में बोल रहे हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि भारत के संविधान का संथाली भाषा में अनुवाद हाल ही में भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा जारी किया गया था, जिसे उन्होंने भाषाई समावेशन और सभी भाषा समुदायों के लिए लोकतांत्रिक सम्मान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत का संविधान और इसकी आठवीं अनुसूची भाषाई विविधता को मान्यता देकर और उसका सम्मान करके देश के प्राचीन ज्ञान को दर्शाती है, और यह पुष्टि करती है कि राष्ट्रीय एकता एकरूपता पर नहीं बल्कि आपसी सम्मान पर टिकी है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब प्रत्येक नागरिक अपनी भाषा में खुद को व्यक्त कर सके।

समकालीन चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि विश्व भर में कई स्वदेशी भाषाएं लुप्तप्राय हैं।

योगी आदित्यनाथ ने राजनाथ सिंह संग अशोक लेलैंड कंपनी के नवीन इलेक्ट्रिक व्हीकल विनिर्माण संयंत्र का किया उद्घाटन

असीमित संभावनाओं को परिणाम में बदलने वाला प्रदेश बना यूपी: मुख्यमंत्री

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षा मंत्री व लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह के साथ शुक्रवार को अशोक लेलैंड कंपनी के इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री व अन्य अतिथियों ने फैक्ट्री का निरीक्षण किया और सिंदूर-रुद्राक्ष के पौधे भी रोपे। सीएम योगी ने निवेश के लिए हिंदुजा परिवार को शुभकामनाएं दीं और यूपी सरकार पर विश्वास के लिए आभार जताया।

सीएम ने कहा कि यूपी के लिए यह निवेश अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2017 के पहले यूपी की अराजकता किसी से छिपी नहीं थी, निवेशक पलायन कर रहे थे परंतु 2017 में सरकार में आने पर हमने कहा कि यह अनलिमिटेड पोटेंशियल का प्रदेश है। अपने राजनैतिक स्वार्थ के लिए कुछ लोगों ने इसे बदनाम किया, लेकिन यूपी अब अनलिमिटेड पोटेंशियल यानी संभावनाओं को परिणाम में बदलने वाला प्रदेश बन गया है। पिछले आठ-साढ़े आठ साल में हुआ परिवर्तन इसका उदाहरण है। यह समारोह प्रदेश के प्रति उद्योगों के बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। सीएम योगी ने कहा कि इस इकाई की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता अभी 2500 यूनिट प्रति वर्ष है।

इसे चरणबद्ध ढंग से 5000 यूनिट प्रतिवर्ष तक बढ़ाना है। यह परियोजना यूपी के औद्योगिक विकास व पर्यावरण संरक्षण के प्रति पीएम की प्रतिबद्धता और हम सभी के दृढ़ विश्वास का प्रतीक भी है। जब दुनिया ग्लोबल वॉर्मिंग व ग्लोबल कूलिंग से त्रस्त है। तमाम आपदाएं चुनौतियां खड़ी कर रही हैं। उन स्थितियों में हम सब भी अपने आप को तैयार कर सकें, यह इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट इस दिशा में किए जाने वाला प्रयास का एक हिस्सा है। इसमें प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से प्रदेश के हजारों युवाओं के लिए नौकरी व रोजगार की संभावनाएं भी विकसित हुई हैं।

सीएम योगी ने कहा कि आज यूपी के सभी 75 जनपदों में निवेश हो रहा है। सीएम ने बेहतर कनेक्टिविटी का जिक्र करते हुए बताया कि देश के एक्सप्रेसवे का 55 फीसदी एक्सप्रेसवे यूपी के पास है। देश में सर्वाधिक शहरों में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों व मेट्रो का संचालन यूपी में हो रहा है। देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क यूपी के पास है। देश में बन रहे दो डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर यूपी से होकर जा रहे हैं। इन पर यूपी का लॉजिस्टिक टर्मिनल व लॉजिस्टिक एंड ट्रांसपोर्ट हब को भी विकसित करने का कार्य हो रहा है। देश में पहली रैपिड रेल व वाटर वे का संचालन भी यूपी में हो चुका है।

सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले यूपी पहचान का मोहताज और उपद्रव से ग्रसित था, लेकिन आज यूपी उत्सव का प्रदेश है। यूपी अब बीमारू राज्य नहीं, बल्कि इसने खुद को रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में स्थापित किया है। दृढ़ निश्चय से लिए गए फैसले, साफ नीयत व स्पष्ट सोच के कारण "फियरलेस बिजनेस", "ईज ऑफ डूइंग बिजनेस" और "ट्रस्ट ऑफ डूइंग बिजनेस" नए यूपी की पहचान बन चुके हैं। यहां पर कोई निवेशक पॉलिसी पैरालिसिस का शिकार नहीं हो सकता।

अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

प्रदेश के सभी नागरिक मेरा परिवार और परिवार के स्वास्थ्य की रक्षा करना मेरी सबसे बड़ी जिम्मेदारी-मुख्यमंत्री

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए प्रदेश के आम बजट को लेकर बजट पूर्व परामर्श बैठकों की श्रृंखला लगातार जारी है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को फरीदाबाद के सूरजकुंड में आयोजित बैठक के दूसरे सत्र में स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ आगामी बजट को लेकर सार्थक संवाद किया। उन्होंने संवाद में शामिल प्रतिनिधियों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह बैठक प्रदेश में स्वास्थ्य क्षेत्र के भविष्य को दिशा देने का एक सशक्त अवसर है। उन्होंने सत्र के शुभारंभ में राजा नाहर सिंह को बलिदान दिवस पर श्रद्धापूर्वक नमन किया।

बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री विपुल गोयल, स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री श्री राजेश नागर, पूर्व मंत्री एवं बल्लभगढ़ के विधायक श्री मूलचंद शर्मा, बड़खल के विधायक श्री धनेश अदलखा, एनआईटी के विधायक श्री सतीश फागना व मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर तथा प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, जिनके पास वित्त मंत्री का प्रभार भी है, ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को 2047 में विकसित बनाने का संकल्प लिया है। उस संकल्प में हरियाणा देश का ग्रोथ इंजन बनेगा। बीते माह केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने पंचकूला में हरियाणा के विजन डॉक्यूमेंट 2047 को भी लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि इस बार बजट में सभी वर्गों के सुझाव लिए गये है, जिससे यह बजट सरकार का न होकर प्रदेश के जनमानस का बजट होगा। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस वर्ष स्वास्थ्य क्षेत्र को बजट-पूर्व परामर्श की प्राथमिकता में रखा गया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य आम नागरिक के जीवन का आधार है। हरियाणा का प्रत्येक नागरिक मेरा परिवार है और इस परिवार के स्वास्थ्य की रक्षा करना मेरी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। सरकार का संकल्प है कि स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाएं केवल फाइलों तक सीमित न रहें, बल्कि जमीन पर प्रभावी रूप से दिखाई दे और अंतिम व्यक्ति तक उनका लाभ पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वही नीति प्रभावी होती है, जो स्वास्थ्य को सुविधा नहीं, बल्कि अधिकार के रूप में देखे। इसी दृष्टिकोण के तहत पिछले वर्ष स्वास्थ्य बजट में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष लक्ष्य स्वास्थ्य बजट को दो अंकों की वृद्धि तक ले जाने का है, जिससे हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर, मानव संसाधन और सेवाओं को और सशक्त किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि वर्ष 2025-26 के बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रावधानों पर अब तक 6 हजार 711 करोड़ 82 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं। संकल्प पत्र के वायदे को पूरा करते हुए प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में डायलिसिस की सुविधा निशुल्क उपलब्ध करवाई जा रही है। प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में सीटी स्कैन, एमआरआई, अल्ट्रासाउंड, ब्लड एनालाइजर और डिजिटल एक्स-रे जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने बताया कि जिला अस्पतालों में निजी कमरों की व्यवस्था की गई है, डे-केयर कैंसर सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं तथा सभी जिला अस्पतालों और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 50 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक बनाए जा रहे हैं। इसके साथ ही प्रदेश के सभी ब्लड बैंकों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है, ताकि आपात स्थितियों में सुरक्षित और त्वरित रक्त आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना ही सुशासन की वास्तविक पहचान है।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल, स्वर्ण जयंती हरियाणा वित्तीय प्रबंधन संस्थान के महानिदेशक डा. राज नेहरू, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार श्री राजीव जेटली, फरीदाबाद की मेयर श्रीमती प्रवीण जोशी तथा मैक्स हेल्थकेयर, एसएसबी हार्ट एंड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, प्रेम हॉस्पिटल, एशियन हॉस्पिटल, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, नीमा, एसोसिएशन ऑफ इंडियन मेडिकल इंडस्ट्री, इंद्रप्रस्थ अपोलो, इंडियन डेंटल एसोसिएशन, आदि संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

लाल चंद कटारूचक्क अनाज भवन में लोहड़ी के जश्न में शामिल हुए

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। फसल की कटाई का प्रतीक पंजाब का त्योहार लोहड़ी यहां सेक्टर-39 स्थित अनाज भवन में बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री लाल चंद कटारूचक्क भी पूरे विभाग के कर्मचारियों के साथ इस समारोह में शामिल हुए।

इस समारोह की शुरूआत लोहड़ी की आग जलाने से हुई और पूरा माहौल पारंपरिक संगीत एवं लोक नृत्य की गूंज से झूम उठा। इस दौरान सभी ने रेवड़ी, गजक एवं मूंगफली का स्वाद चखा। लोहड़ी के इन जश्नों के दौरान पूरा जोश एवं उत्साह देखने को मिला और कर्मचारियों द्वारा लोक गीत गाते हुए लोहड़ी के इर्द-गिर्द नाचते हुए सभी के लिए खुशियां मांगी गईं।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि लोहड़ी पंजाबी संस्कृति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो सर्दी के जाने एवं कटाई के मौसम की आमद का प्रतीक है। यह भाईचारे की साझेदारी, शुक्राने एवं पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न है। इस त्योहार का संबंध पंजाब के लोक नायक दुल्ला भट्टी से भी है, जिन्होंने बेटियों की रक्षा हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे पहले मंत्री ने जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रकों (डीएफएससी) के साथ एक बैठक की अध्यक्षता भी की और बाढ़ के बावजूद राज्य में धान की खरीद को सफल सीजन सुनिश्चित बनाने के लिए उनकी सराहना की। मंत्री ने डीएफएससी को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत लाभ प्राप्त करते रहने के लिए अधिक से अधिक लोगों को अपना ई-केवाईसी करवाने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर अन्य लोगों के अलावा प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राहुल तिवारी, निदेशक वरिंदर कुमार शर्मा, पंजाब राज्य खाद्य आयोग के सदस्य जसवीर सिंह सेखों, अतिरिक्त निदेशक खाद्य आपूर्ति डॉ. अंजुमन भास्कर, अजयवीर सिंह सराओ एवं जीएम वित्त सर्वेश कुमार उपस्थित थे।

हम प्रदूषण से भागेंगे नहीं, उससे लड़ेंगे और उसे खत्म करके रहेंगे: मनजिंदर सिंह सिरसा

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने विधानसभा में दिए अपने विस्तृत वक्तव्य में दिल्ली में प्रदूषण के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य से लेकर वर्तमान सरकार की कार्ययोजना तक का तथ्यात्मक विवरण सदन के समक्ष रखा। उन्होंने बताया कि वर्ष 1984-85 में एम.सी. मेहता बनाम भारत सरकार मामले से लेकर सुप्रीम कोर्ट के सीएनजी आदेश, औद्योगिक रिलोकेशन और वाहन प्रदूषण मानकों तक कई निर्णायक फैसले लिए गए, लेकिन 2014 के बाद दिल्ली की स्थिति लगातार बदतर होती गई।

मंत्री ने कहा कि 2014 से 2025 तक दिल्ली को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और IQAir जैसी संस्थाओं ने लगातार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी के रूप में चिन्हित किया, जो आम आदमी पार्टी सरकार की पूर्ण विफलता को दर्शाता है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और एनजीटी की कई कड़ी टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए कहा कि अदालतों ने बार-बार दिल्ली को गैस चैंबर और रहने लायक नहीं तक कहा, फिर भी तत्कालीन सरकार ने ठोस सुधार नहीं किए।

श्री सिरसा ने कैग रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि ऑड-ईवन योजना असफल रही, पीयूसी व्यवस्था कमजोर रही और एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम तक निर्धारित गाइडलाइंस के अनुरूप नहीं लगाए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता के पैसों से स्मॉग टावर, ऑड-ईवन और अन्य अभियानों पर भारी प्रचार किया गया, लेकिन जमीनी परिणाम शून्य रहे। इसके विपरीत, मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में मौजूदा सरकार ने आते ही प्रदूषण के विरुद्ध एक्शन मोड अपनाया। तीनों लैंडफिल साइट्स-ओखला, भलस्वा और गाजीपुर-पर बायोमाइनिंग के जरिये हर महीने हजारों मीट्रिक टन कूड़ा हटाया जा रहा है और 45 एकड़ जमीन पुनः प्राप्त की जा चुकी है। एमसीडी को सॉलिड वेस्ट प्रबंधन के लिए विशेष वित्तीय सहायता दी गई है। डस्ट मिटिगेशन के लिए सड़कों की एंड-टू-एंड कार्पेटिंग, एंटी-स्मॉग गन, वाटर स्प्रिंकलर, मैकेनिकल रोड स्वीपर्स और सख्त रोड कटिंग नीति लागू की गई है। निर्माण स्थलों और औद्योगिक क्षेत्रों में कड़ी निगरानी, भारी जुमार्ने और सीलिंग की कार्रवाई की जा रही है।

वाहन प्रदूषण के मोर्चे पर, मंत्री ने बताया कि नो पीयूसी, नो फ्यूल नीति लागू की गई है, फर्जी पीयूसी केंद्र बंद किए गए हैं और इलेक्ट्रिक बसों का देश का सबसे बड़ा बेड़ा तैयार किया जा रहा है। 2026 तक 7500 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें सड़कों पर उतरेंगी, जिससे निजी वाहनों पर निर्भरता घटेगी।

हरित दिल्ली के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए, 1994 के बाद पहली बार 10,000 एकड़ से अधिक भूमि को रिजर्व फॉरेस्ट घोषित किया गया है।

कश्मीर को पूरी तरह आतंक मुक्त बनाने की तैयारी तेज

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की व्यापक समीक्षा की है। इस दौरान उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि आतंकवादी ढांचे और आतंकवाद के वित्तपोषण को निशाना बनाने वाले अभियान मिशन मोड में बिना रुके जारी रहने चाहिए। उनका साफ संदेश था कि अब आधे अधूरे प्रयासों की कोई गुंजाइश नहीं है और जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द आतंकवाद मुक्त बनाने के लक्ष्य के लिए हर संसाधन झोंक दिया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने और आपसी तालमेल के साथ काम करते रहने का निर्देश दिया ताकि अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जो उपलब्धियां हासिल हुई हैं वे कमजोर न पड़ें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस दिशा में किसी भी स्तर पर संसाधनों की कमी नहीं आने देगी और जरूरत पड़ी तो और कड़े कदम उठाए जाएंगे। हम आपको बता दें कि इस बैठक में जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय गृह सचिव, खुफिया ब्यूरो के निदेशक, केंद्र शासित प्रदेश के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पंजाब मंत्रिमंडल द्वारा लहरागागा में मेडिकल कॉलेज, डिजिटल ओपन यूनिवर्सिटी नीति और अन्य जनहितैषी फैसलों को हरी झंडी

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। जन स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत करने, उच्च शिक्षा के आधुनिकीकरण और नागरिकों को राहत प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई में पंजाब मंत्रिमंडल ने आज लहरागागा में मेडिकल कॉलेज और अस्पताल स्थापित करने के लिए 19 एकड़ से अधिक भूमि देने की मंजूरी दे दी तथा कई अन्य बड़े फैसलों को स्वीकृति प्रदान की।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए फैसलों में भारत की पहली व्यापक प्राइवेट डिजिटल ओपन यूनिवर्सिटी नीति-2026, प्लॉट अलॉटियों के लिए एमनेस्टी नीति-2025 में विस्तार, गमाडा की संपत्ति कीमतों को तर्कसंगत बनाना और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए सतलुज दरिया से रेत निकालने की मंजूरी के साथ-साथ बाबा हीरा सिंह भट्ठल इंस्टीट्यूट के स्टाफ को सरकारी विभागों में भेजने की स्वीकृति शामिल है, जो स्वास्थ्य देखभाल के विस्तार, शिक्षा सुधार, बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने और जनहितैषी शासन पर सरकार के प्रयासों को दर्शाते हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि कैबिनेट ने जैन समुदाय द्वारा अल्पसंख्यक मेडिकल कॉलेज (माइनोरिटी मेडिकल कॉलेज) स्थापित करने के लिए बाबा हीरा सिंह भट्ठल टेक्निकल कॉलेज, लहरागागा में स्थित 19 एकड़ 4 कनाल भूमि को नाममात्र लीज दरों पर जैन सोसाइटी को देने का फैसला किया है। जैन समुदाय द्वारा स्थापित किए जाने वाले इस मेडिकल कॉलेज में छात्रों का दाखिला और सीटों का बंटवारा राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों/अधिसूचनाओं की शर्तों का सख्ती से पालन किया जाएगा।

सम्पादकीय

अंजाम-ए-गुलिस्तां क्या होगा

नेशनल मेडिकल कमीशन ने मंगलवार देर रात जम्मू-कश्मीर के रियासी में स्थित श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस की मान्यता रद्द कर दी। इस खबर को पढ़ते ही शौक बहराइची का मशहूर शेर याद आ गया कि- बर्बाद गुलिस्तां करने को बस एक ही उल्लू काफी था। हर शाख पे उल्लू बैठा है अंजाम-ए-गुलिस्तां क्या होगा।। देश में पहले से अच्छे उच्च शिक्षा संस्थानों की भारी कमी है। धार्मिक स्थलों के निर्माण, सौंदर्यीकरण, रख-रखाव पर अरबों रुपए खर्च किए जाते हैं, सरकार में बैठे लोगों का रोजमर्रा का खर्च लाखों में होता है, फिजूल के प्रचार कार्यक्रमों में करोड़ों रुपए खर्च कर दिए जाते हैं, मुश्किल उच्च कोटि के अस्पतालों और शिक्षा संस्थानों के निर्माण और उन्नयन की बारी आती है तो सरकार के पास धन की कमी दिखाई जाती है। छात्रों को पढ़ने और शोध कार्यों के लिए आसानी से धन मुहैया कराने की जगह सरकार का ध्यान शिलान्यासों और हरी झंडी दिखाने में लगा रहता है। ऐसे में एक मेडिकल कॉलेज की मान्यता रद्द कर देना ऐसा फैसला है, जिस पर सिर ही पीटा जा सकता है। मान्यता रद्द करने के पीछे मानकों का पालन न होने को कारण बताया जा रहा है। लेकिन असल मुद्दा यही है कि पिछले काफी वक्त से इस मेडिकल कॉलेज में मुस्लिम छात्रों को मिले दाखिले पर हिंदू संगठन आपत्ति जता रहे थे और इसके लिए बाकायदा संघर्ष समिति बनाकर आंदोलन किया जा रहा था। दरअसल इस मेडिकल कॉलेज के पहले एमबीबीएस बैच के 50 छात्रों में से 42 मुस्लिम, एक सिख और केवल 8 हिंदू छात्र जम्मू क्षेत्र से होने की जानकारी सामने आई थी। अधिकतर छात्र कश्मीर से थे। इसी पर हिंदूवादी संगठन हंगामा मचा रहे थे कि जब मेडिकल कॉलेज हिंदुओं के दिए दान से चल रहा है, तो उसमें मुस्लिम छात्रों को दाखिला क्यों दिया गया है। आंदोलनकारी बाकायदा कॉलेज को बंद करने की मांग ही कर रहे थे। जो अब शायद मानकों के बहाने से पूरी कर दी गई है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस फैसले पर निराशा होते हुए कहा है कि उन बच्चों ने मेहनत करके सीट हासिल की थी, यह किसी का उन पर एहसान नहीं है- न मेरा, न यूनिवर्सिटी का। उन्होंने परीक्षा पास करके सीट प्राप्त की है। अब अगर आप उन्हें वहां नहीं पढ़ाना चाहते, तो कहीं और उनका इंतजाम कीजिए। वे किसी के एहसान पर नहीं आए हैं। वहीं महबूबा मुफ्ती ने कहा कि बीमारी का इलाज करने के बजाय, मरीज को बिना किसी गलती के दंडित किया जा रहा है। अधिक चिंताजनक बात यह है कि यदि एसएमवीडी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के साथ ऐसा किया जा सकता है, तो इसे अन्य जगहों पर भी दोहराया जा सकता है, जिससे मेहनती युवाओं का भविष्य गंभीर खतरे में पड़ जाएगा। गौरतलब है कि नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने एसएमवीडी के एमबीबीएस कोर्स चलाने की इजाजत वाले आदेश को वापस ले लिया है। इसके बाद से ही छात्र और उनके शिक्षक चिंतित हैं। फैकल्टी सदस्यों ने आरोप लगाया कि हिंदुत्ववादी संगठनों के आंदोलन ने एनएमसी के फैसले को प्रभावित किया है। बता दें कि 2 जनवरी को एनएमसी ने संस्थान का औचक निरीक्षण किया और महज 15 मिनट में फैसला लिया कि 2025-26 सत्र के लिए एमबीबीएस कोर्स चलाने के लिए दी गई अनुमति वापस ली जाती है। एक बयान में कहा गया है कि यह फैसला असेसमेंट के दौरान मिली गंभीर कमियों के आधार पर लिया गया है। मेडिकल एजुकेशन रेगुलेटर के अनुसार, पिछले दो हफ्तों में खराब इंफ्रास्ट्रक्चर, क्लिनिकल मटीरियल की कमी और फैकल्टी एवं रेजिडेंट डॉक्टरों की कमी की कई शिकायतें मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। बोर्ड ने मंगलवार को एक आदेश जारी किया। रिपोर्ट के अनुसार कॉलेज में शिक्षकों की संख्या करीब 39 प्रतिशत कम थी। ट्यूटर, डेमोंस्ट्रेटर और सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर की 65 प्रतिशत कम मिले। मरीजों की संख्या भी निर्धारित मानकों से काफी कम मिली। दोपहर 1 बजे तक ओपीडी में सिर्फ 182 मरीज मौजूद थे, जबकि कम से कम 400 मरीज होने चाहिए थे। अस्पताल में केवल 45 प्रतिशत बेड पर मरीज थे, जबकि मानक 80 प्रतिशत का है। आईसीयू में भी क्षमता से आधे मरीज थे। इसके अलावा कई विभागों में लैबोरेटरी ही थीं, रिसर्च लैब नहीं थी, लेक्चर थिएटर मानकों के अनुरूप नहीं थे और लाइब्रेरी में सिर्फ 744 किताबें थीं जबकि 1500 किताबें जरूरी हैं। केवल 2 ऑपरेशन थिएटर काम कर रहे थे जबकि कम से कम 5 थिएटर होने चाहिए थे। पैरा-क्लीनिकल विषयों के लिए उपकरण भी पर्याप्त नहीं थे। मान लिया कि इस रिपोर्ट के मुताबिक संस्थान में ढेर सारी कमियां थीं, लेकिन उन कमियों को दूर किया जाना चाहिए या संस्थान ही बंद होना चाहिए। एनएमसी का कहना है कि जिन छात्रों का दाखिला हो चुका है, उनका वर्ष बर्बाद नहीं होगा और उन्हें जम्मू और कश्मीर के दूसरे मान्यता प्राप्त मेडिकल कॉलेजों में समायोजित किया जाएगा।

जयंती

बासु चटर्जी

जन्म-10 जनवरी, 1927; मृत्यु-6 जून, 2020, हिंदी और बंगाली सिनेमा के जाने-माने पटकथा लेखक और निर्देशक थे। उन्होंने अपने फिल्मी कॅरियर की शुरूआत बासु भट्टाचार्य का सहायक बनकर की। बासु भट्टाचार्य और ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्मों की तरह बासु चटर्जी की फिल्में भी हल्के मूड वाली मध्यम वर्गीय परिवार की कहानियां होती थीं। वह अपनी फिल्मों में शादी और प्रेम संबंधों पर ज्यादा जोर देते थे। इसके अलावा उनकी फिल्में सामाजिक और नैतिक मुद्दों पर भी बातचीत करती थीं।

पुण्यतिथि

सम्पूर्णानंद

जन्म:1 जनवरी, 1889, वाराणसी; मृत्यु: 10 जनवरी, 1969, प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता थे, जो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और राजस्थान के राज्यपाल भी रहे थे। डॉ. सम्पूर्णानंद कुशल तथा निर्भीक राजनेता एवं सर्वतोमुखी प्रतिभा वाले साहित्यकार एवं अध्यापक थे। उनकी इतिहास, पुराण, दर्शन, राजनीति, समाजशास्त्र आदि में गहरी पैठ थी। आध्यात्मिक विषयों में भी उनकी बड़ी रुचि थी। वे समाजवादी विचारों के व्यक्ति थे और 1934 में कांग्रेस के अंदर 'समाजवादी पार्टी' के गठन में आचार्य नरेंद्र देव के साथ उनका भी प्रमुख हाथ था।

कल मिलेंगे

एक लड़की फोन पर बात करते हुए लिफ्ट में आई...!
बिट्टू की तरफ देख कर हंसी और फोन पर अपनी सहेली से बोली- चल अब फोन रखती हूं, लिफ्ट में एक शानदार, हैंडसम लड़का आया है, देखती हूं अगर कोई बात बनती है तो...! . .
अब बेचारा बिट्टू कुछ बोलता, उससे पहले ही लड़की बोली-सॉरी अंकल, मेरी सहेली बहुत पकाती है, मुझे फोन रखना था, इसलिए झूठ बोलना पड़ा...!
बिट्टू (मन ही मन में)-भगवान कसम, आज तक इतनी शराफत से किसी ने बेइज्जत नहीं की...!

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

ईरान सुलग रहा है, सत्ता कांप रही है, जनता का डर खत्म हो रहा है, क्या इस्लामी शासन के दिन पूरे हो गये?

> ईरान संकट का सामरिक प्रभाव देखें तो इसमें कोई दो राय नहीं कि ईरान पूरे पश्चिम एशिया की धुरी है। यहां अस्थिरता का मतलब है तेल बाजार में उथल पुथल, खाड़ी क्षेत्र में तनाव और कई देशों में प्रॉक्सी संघर्ष का तेज होना। ईरान के कमजोर होने से उसके समर्थित गुटों की स्थिति भी बदलेगी। इससे इजराइल और अरब देशों के बीच संतुलन बदल सकता है

ईरान इस समय उबाल पर है। जो विरोध महंगाई, बेरोजगारी और बदहाल अर्थव्यवस्था के खिलाफ शुरू हुआ था वह अब सीधे इस्लामी सत्ता व्यवस्था को उखाड़ फेंकने की चुनौती बन चुका है। लगातार बारह दिनों से सड़कों पर उतर रही जनता अब केवल नारे नहीं लगा रही बल्कि सत्ता के प्रतीकों को जलाकर यह साफ संदेश दे रही है कि डर की दीवार टूट चुकी है। सरकारी इमारतें, पुलिस चौकियां और प्रशासनिक वाहन जनता के गुस्से का निशाना बन रहे हैं। यह केवल प्रदर्शन नहीं है, यह व्यवस्था के खिलाफ खुला विद्रोह है।

तेहरान से लेकर मशहद, इस्फहान और दर्जनों छोटे शहरों तक हालात एक जैसे हैं। सड़कों पर युवा हैं, महिलाएं हैं, मजदूर हैं और अब मध्यम वर्ग भी खुलकर सामने आ चुका है। नारे अब रोटी कपड़ा और नौकरी तक सीमित नहीं रहे। सीधे सर्वोच्च नेता और पूरी इस्लामी व्यवस्था को ललकारा जा रहा है। सत्ता के खिलाफ इस तरह की खुली बगावत ईरान के इतिहास में बहुत कम देखी गई है।

हालांकि ईरान सरकार का जवाब भी उतना ही सख्त और बेरहम है। इंटरनेट बंद, मोबाइल सेवाएं ठप, सुरक्षा बलों को खुली छूट और गिरफ्तारियों का अंधाधुंध दौर चल रहा है। दर्जनों मौतें हो चुकी हैं और हजारों लोग जेलों में ठूंस दिए गए हैं। सत्ता यह दिखाना चाहती है कि वह अब भी मजबूत है, लेकिन हकीकत यह है कि डर के बल पर चलने वाली किसी भी व्यवस्था का अंत हमेशा हिंसक होता है।

हम आपको यह भी बता दें कि इन हालात के बीच रेजा पहलवी का नाम फिर से उभर रहा है। वह ईरान के आखिरी शाह के बेटे हैं और खुद को देश का वैध क्राउन प्रिंस मानते हैं। हम आपको याद दिला दें कि 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद उनका परिवार देश छोड़ने पर मजबूर हुआ था। तब से वह निर्वासन में हैं और खुद को लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्ष ईरान का चेहरा बताने की कोशिश कर रहे हैं। रेजा पहलवी खुले तौर पर मौजूदा सत्ता को अवैध बताते हैं और सेना तथा जनता से अपील कर रहे हैं कि वह इस्लामी नेतृत्व का साथ छोड़ दें। उनके समर्थक उन्हें ईरान के लिए एक वैकल्पिक नेतृत्व के रूप में पेश कर रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ भावनात्मक अपील है या वाकई सत्ता परिवर्तन का कोई ठोस खाका है। सवाल यह भी है कि क्या ईरान में तख्तापलट होने वाला है? देखा जाये तो यह सवाल इस समय हर विश्लेषण का केंद्र बना हुआ है।

मगर सच्चाई यह है कि ईरान में हालात गंभीर जरूर हैं लेकिन तख्तापलट के लिए संगठित नेतृत्व, सेना का समर्थन और सत्ता संरचना के भीतर दरार जरूरी होती है। फिलहाल जो दिख रहा है वह जनता का गुस्सा है, लेकिन वह गुस्सा बिखरा हुआ है। कोई एक केंद्रीकृत नेतृत्व नहीं है जो सत्ता संभालने की स्थिति में हो। रेजा पहलवी की लोकप्रियता सोशल मीडिया और प्रवासी ईरानियों में जरूर है, लेकिन देश के भीतर उनके पास न तो संगठन है और न ही जमीन पर नियंत्रण। ईरान की सुरक्षा व्यवस्था बेहद मजबूत और वैचारिक रूप से कट्टर है। रिवोल्यूशनरी गार्ड केवल सेना नहीं बल्कि सत्ता की भी रीढ़ हैं। जब तक इस ढांचे में टूट नहीं होती तब तक तख्तापलट की बात करना जल्दबाजी होगी।

जहां तक यह सवाल है कि क्या राजशाही की वापसी संभव है तो आपको बता दें कि राजशाही की वापसी एक और भावनात्मक कल्पना है। आज का ईरान 1979 वाला ईरान नहीं है। चार दशक की इस्लामी सत्ता ने समाज की संरचना बदल दी है। नई पीढ़ी स्वतंत्रता चाहती है लेकिन जरूरी नहीं कि वह किसी शाह को फिर से गद्दी पर बैठाना चाहती हो। रेजा पहलवी खुद भी खुलकर यह नहीं कहते कि वे राजा बनेंगे। वह सत्ता को जनता के हवाले करने और जनमत संग्रह की बात करते हैं। इसका मतलब साफ है कि राजशाही की वापसी फिलहाल एक नारा भर है, हकीकत नहीं।

ईरान संकट का सामरिक प्रभाव देखें तो इसमें कोई दो राय नहीं कि ईरान पूरे पश्चिम एशिया की धुरी है। यहां अस्थिरता का मतलब है तेल बाजार में उथल पुथल, खाड़ी क्षेत्र में तनाव और कई देशों में प्रॉक्सी संघर्ष का तेज होना। ईरान के कमजोर होने से उसके समर्थित गुटों की स्थिति भी बदलेगी। इससे इजराइल और अरब देशों के बीच संतुलन बदल सकता है। अमेरिका और पश्चिमी शक्तियां इस मौके को अपने हित में भुनाने की कोशिश करेंगी। दूसरी ओर रूस और चीन भी ईरान को हाथ से जाने नहीं देना चाहेंगे। अगर ईरान में सत्ता परिवर्तन होता है तो उसका असर केवल तेहरान तक सीमित नहीं रहेगा। यह पूरे क्षेत्र को हिला देगा और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा को भी झटका देगा।

देखा जाये तो ईरान में जो हो रहा है वह केवल सत्ता के खिलाफ गुस्सा नहीं बल्कि दशकों की घुटन का विस्फोट है। जनता अब सुधार नहीं बल्कि बदलाव चाहती है। लेकिन बदलाव अपने आप नहीं आता, उसे दिशा देनी पड़ती है। रेजा पहलवी इस विद्रोह का चेहरा बन सकते हैं, लेकिन वह मसले का समाधान नहीं हैं। सत्ता परिवर्तन के लिए केवल नाम नहीं बल्कि जमीन पर ताकत चाहिए। अगर यह विद्रोह संगठित नहीं हुआ तो सत्ता इसे बेरहमी से कुचल देगी।

बहरहाल, ईरान आज चौराहे पर खड़ा है। एक रास्ता दमन का है, दूसरा बदलाव का। तख्तापलट होगा या नहीं यह आने वाले दिनों में तय होगा, लेकिन इतना तय है कि ईरान अब पहले जैसा नहीं रहेगा। डर टूट चुका है और यही किसी भी सत्ता के पतन की पहली सीढ़ी होती है।

स्त्रोतः प्रभासाक्षी

ट्रंप के 500% टैरिफ हथौड़े का वार बेअसर करेगी मोदी की ढाल, देखती रह जायेगी दुनिया

-नीरज कुमार दुबे

> देखा जाये तो अमेरिकी राजनीति में आक्रामक व्यापार नीति की वापसी हो चुकी है। डोनाल्ड ट्रंप के दौर की टैरिफ भाषा जोर पकड़ रही है। इसी कड़ी में अमेरिका ने भारत के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन से खुद को अलग कर लिया है जिससे यह संकेत भी मिला है कि वह जलवायु और व्यापार दोनों मोर्चों पर बहुपक्षीय सहयोग से पीछे हट रहा है

अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी देकर वैश्विक व्यापार में नया तूफान खड़ा कर दिया है। इस कदम को सीधे तौर पर भारत, चीन और यूरोपीय संघ जैसे बड़े बाजारों के खिलाफ दबाव की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। खास बात यह है कि अमेरिका पहले से ही भारत पर ऊंचे टैरिफ लागू कर चुका है लेकिन इसके बावजूद भारत का निर्यात तेजी से बढ़ा है और अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी हुई है।

देखा जाये तो अमेरिकी राजनीति में आक्रामक व्यापार नीति की वापसी हो चुकी है। डोनाल्ड ट्रंप के दौर की टैरिफ भाषा जोर पकड़ रही है। इसी कड़ी में अमेरिका ने भारत के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन से खुद को अलग कर लिया है जिससे यह संकेत भी मिला है कि वह जलवायु और व्यापार दोनों मोर्चों पर बहुपक्षीय सहयोग से पीछे हट रहा है। अमेरिका की इस रणनीति से सिर्फ भारत या चीन ही नहीं बल्कि यूरोपीय संघ भी असहज है और वहां भी अमेरिकी धमकियों को लेकर बेचैनी बढ़ रही है।

वैसे भारत की स्थिति इस पूरे घटनाक्रम में अलग दिखाई देती है। हालिया आंकड़ों के अनुसार अमेरिकी टैरिफ के बावजूद भारत का निर्यात तीन वर्षों की सबसे तेज दर से बढ़ा है। घरेलू मांग में मजबूती, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं, विनिर्माण को बढ़ावा देने और नियमों को सरल बनाने से भारतीय उद्योग को नया आत्मविश्वास मिला है। साथ ही मोदी सरकार ने उपभोक्ताओं को राहत देकर और सुधारों को तेज कर यह संदेश दिया है कि बाहरी दबावों के आगे झुकने की बजाय भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा।

हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका की इस आक्रामक नीति से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर पड़ने की आशंका है। यूरोपीय संघ के लिए यह चेतावनी है कि अमेरिका अपने हितों के लिए किसी को भी निशाना बना सकता है। वहीं भारत ने साफ कर दिया है कि वह दबाव की कूटनीति से नहीं बल्कि आर्थिक ताकत से जवाब देगा।

देखा जाये तो अमेरिका का 500 प्रतिशत टैरिफ का शोर दरअसल डर की राजनीति है। यह उस व्यवस्था की घबराहट को दिखाता है जो दुनिया के बदलते आर्थिक संतुलन को स्वीकार नहीं कर पा रही। भारत आज उस मोड़ पर खड़ा है जहां वह न तो किसी के सामने झुकने को तैयार है और न ही टकराव की बेकार लड़ाई में पड़ना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रणनीति साफ है यानि सीधी भिड़ंत नहीं बल्कि नीतिगत प्रहार किया जाये।

देखा जाये तो मोदी सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में जो सुधार किए हैं वे आज इस संकट के समय ढाल बनकर सामने आ रहे हैं। विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाएं हों या विदेशी निवेश के लिए नियमों का सरलीकरण हो, हर कदम का मकसद एक ही है भारत को आत्मनिर्भर बनाना। घरेलू उपभोक्ता बाजार की ताकत को सरकार ने रणनीतिक हथियार में बदला है। जब बाहरी बाजार दबाव बनाते हैं तब भीतर की मांग अर्थव्यवस्था को संभाल लेती है।

यदि अमेरिका सचमुच भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाता है तो मोदी के पास कई विकल्प हैं। पहला है निर्यात बाजारों का और विविधीकरण। हम आपको बता दें कि भारत पहले ही एशिया अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। दूसरा उपाय है घरेलू विनिर्माण को और आक्रामक समर्थन। तीसरा उपाय है व्यापार समझौतों को तेज करना ताकि अमेरिकी बाजार पर निर्भरता कम हो। चौथा उपाय है विश्व व्यापार संगठन जैसे मंचों पर कानूनी और कूटनीतिक लड़ाई।

वैसे अमेरिका की यह नीति खुद उसके लिए भी जोखिम भरी है। यूरोपीय संघ और चीन के साथ एक साथ टकराव वैश्विक मंदी को न्योता दे सकता है। भारत इस पूरे खेल में संतुलन की भूमिका निभा रहा है। न तो आंख दिखा रहा है और न ही आंख झुका रहा है। यही रणनीतिक परिपक्वता है। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप की शैली टैरिफ धमकी और दबाव पर आधारित रही है लेकिन मोदी की शैली नीतियों और सुधारों पर टिकी है। दोनों नेताओं के बीच यही मूल फर्क है। भारत ने दिखा दिया है कि टैरिफ से डर कर फैसले नहीं बदले जाते बल्कि अर्थव्यवस्था को इतना मजबूत बनाया जाता है कि टैरिफ बेअसर हो जाएं।

उधर, अमेरिका के सौर गठबंधन से हटने का फैसला भी यही बताता है कि वह सहयोग की नहीं बल्कि नियंत्रण की राजनीति चाहता है। इसके उलट भारत बहुपक्षीय सहयोग का पक्षधर रहा है। यही कारण है कि आज भारत को ग्लोबल साउथ की आवाज माना जा रहा है। देखा जाये तो आज भारत की अर्थव्यवस्था सिर्फ आंकड़ों की कहानी नहीं है बल्कि आत्मविश्वास की कहानी है। निर्यात का बढ़ना, घरेलू मांग का मजबूत होना और सुधारों की निरंतरता यह सब बताता है कि भारत सही दिशा में है। अमेरिका चाहे जितनी भी ऊंची दीवार खड़ी करे भारतीय अर्थव्यवस्था उसके ऊपर से रास्ता निकाल लेगी। साथ ही यूरोपीय संघ और चीन के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। अमेरिकी दबाव के आगे झुकना समाधान नहीं है। भारत ने यह रास्ता दिखा दिया है कि आर्थिक मजबूती ही सबसे बड़ा जवाब है। इसलिए यह साफ है कि टैरिफ की राजनीति अल्पकालिक हथियार है जबकि सुधार और आत्मनिर्भरता दीर्घकालिक शक्ति हैं। मोदी की नीतियां इसी दीर्घकालिक सोच पर आधारित हैं। अगर अमेरिका 500 प्रतिशत टैरिफ का हथौड़ा उठाता है तो भारत के पास नीति सुधार, उपभोक्ता शक्ति और वैश्विक साझेदारी की पूरी ढाल मौजूद है। यही वजह है कि शोर चाहे जितना भी तेज हो, भारत की चाल शांत लेकिन घातक बनी हुई है।

बहरहाल, अमेरिका चाहे यह कह दे कि व्यापार समझौता इसलिए अटका क्योंकि मोदी ने फोन नहीं किया, लेकिन सच्चाई इससे कहीं अलग है। मोदी ऐसे नेता नहीं हैं जो दबाव में आकर या किसी के इशारे पर फैसले लें। भारत की नीति फोन कॉल से नहीं, राष्ट्रीय हित से तय होती है। अगर शर्तें देश के हित में नहीं हैं, तो मोदी पीछे हटने में संकोच नहीं करते। यही कारण है कि भारत आज आत्मविश्वास के साथ दुनिया से बात करता है। अमेरिका को यह समझना होगा कि नया भारत सम्मान चाहता है, आदेश नहीं। मोदी की विदेश नीति साफ है, बराबरी पर बात होगी, दबाव में नहीं।

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

खामेनेई के खिलाफ 'आजादी' की गूंज, इंटरनेट ब्लैकआउट के बीच सड़कों पर संग्राम

(एजेन्सी)।
महंगाई और रोजमर्रा की परेशानियों को लेकर शुरू हुआ विरोध अब ईरान की सड़कों पर कहीं ज्यादा गंभीर नजर आ रहा है। बता दें कि मौजूदा समय में पूरा ईरान लगभग पूर्ण इंटरनेट ब्लैकआउट की स्थिति में है और कई शहरों से हिंसक प्रदर्शनों की खबरें सामने आ रही हैं।

गौरतलब है कि दिसंबर 2025 के अंत में बढ़ती महंगाई, खाद्य वस्तुओं के दामों में तेज उछाल और ईरानी रियाल की गिरती कीमतों ने आम लोगों के गुस्से को भड़काया था, जो अब सीधे सत्ता के खिलाफ नारों में बदल चुका है। प्रदर्शनकारी सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के खिलाफ खुलकर नारे लगा रहे हैं और कई जगहों पर सरकारी इमारतों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं भी सामने आई हैं।

मौजूद जानकारी के अनुसार, इंटरनेट निगरानी संस्था नेटब्लॉक ने 8 जनवरी 2026 को पुष्टि की कि ईरान में राष्ट्रव्यापी इंटरनेट सेवाएं बाधित कर दी गई हैं, जबकि कई इलाकों में फोन नेटवर्क भी काम नहीं कर रहा है। माना जा रहा है कि यह कदम प्रदर्शनों की सूचनाओं को देश से बाहर जाने से रोकने के लिए उठाया गया है। इस बीच, निर्वासन में रह रहे क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी ने 8 और 9 जनवरी की शाम लोगों से खिड़कियों से नारे लगाने की अपील की थी, जिसका तेहरान, इस्फहान, मशहद और शिराज जैसे बड़े शहरों में व्यापक असर देखा गया है। बाजार बंद रहे और प्रदर्शनकारियों व सुरक्षा बलों के बीच झड़पें तेज होती गई हैं।

गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस घटनाक्रम पर नजर रखी जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि यदि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की गई तो इसके गंभीर नतीजे होंगे। मानवाधिकार संगठन HRANA के मुताबिक अब तक कम से कम 42 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें सुरक्षा बलों के चार जवान भी शामिल हैं, जबकि 2,260 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है, हालांकि वास्तविक आंकड़े इससे अधिक हो सकते हैं।

उधर, खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों पर विदेशी ताकतों के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया है और सख्ती के संकेत दिए हैं, वहीं सुरक्षा बल आंसू गैस और गोलियों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे हालात और तनावपूर्ण बने हुए हैं।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर ने शून्य-धोखाधड़ी वाली बैंकिंग और पारदर्शिता पर दिया जोर

(एजेन्सी)।
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी रबी शंकर ने शुक्रवार को बैंकिंग सेवाओं और उत्पादों में पारदर्शिता का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बैंकिंग उद्योग को शून्य-धोखाधड़ी वाला माहौल बनाने के लिए प्रयास करना चाहिए।

शंकर ने यहां आयोजित इंडियन बैंकिंग टेक्नोलॉजी कॉन्फ्रेंस के 21वें संस्करण के समापन सत्र में इस बात पर भी जोर दिया कि लोगों का भरोसा जीतना ही बैंक के ग्राहकों को प्रणाली के प्रति वफादार बनाए रखने की कुंजी है। डिप्टी गवर्नर ने कहा, अगर हम उत्पादों और सेवाओं की कीमत पारदर्शी तरीके से तय नहीं करेंगे तो संभव है कि ग्राहक अन्य विकल्पों की ओर रुख कर लें। उन्होंने कहा कि देश की बैंकिंग प्रणाली प्रभावी मूल्य निर्धारण के लिए निश्चित रूप से जानी जाती है, लेकिन अभी भी कुछ बुनियादी सिद्धांतों की आवश्यकता है, ताकि उपयोगकर्ता को यह भरोसा दिलाया जा सके कि वह जो कीमत चुका रहा है, वह वाजिब है।

ईरान की धमकी से वाशिंगटन में हलचल, ट्रंप के खिलाफ खामनेई का बड़ा ऐलान

(एजेन्सी)।
सुप्रीम लीडर आया अली खामनेई का बड़ा बयान सामने आया है। अमेरिका की धमकियों का जवाब देते हुए खामनेई ने कहा है कि ईरान किसी भी हाल में अमेरिका के सामने नहीं झुकेगा। धमकियों पर पलटवार करते हुए खमेनी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा हमला बोला और कहा कि ट्रंप के हाथ हजारों ईरानियों के खून से सने हुए हैं। खामनेई ने ट्रंप को अहंकार और घमंड से भरा शासक भी बताया और कहा कि ऐसे अहंकारी शासकों को उखाड़ फेंका जाएगा। खामनेई के हुंकार अमेरिका को ललकार अमेरिका के सामने नहीं झुकेगा ईरान ईरानियों के खून से सने है ट्रंप के हाथ जनता विदेश ताकत के बहकावे में ना आए पूरी दुनिया पर ट्रंप की दादागिरी नहीं चलेगी अहंकार में डूबे हुए हैं।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई ने ईरान में हो रहे व्यापक विरोध प्रदर्शनों के पीछे अमेरिकी प्रशासन का हाथ होने का आरोप लगाया है। एक सार्वजनिक सभा में बोलते हुए खामेनेई ने कहा कि प्रदर्शनकारी अमेरिकी राष्ट्रपति को खुश करने के लिए ये सब कर रहे हैं। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, खामेनेई ने कहा कि इन दंगाइयों और जनता के लिए हानिकारक तत्वों की सारी उम्मीदें अमेरिकी राष्ट्रपति पर टिकी हैं। उनके अपने देश में भी कई तरह की घटनाएं घट रही हैं।

ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, देश में अशांति के चलते शुक्रवार को दुबई से ईरान जाने वाली कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। दुबई हवाई अड्डे की वेबसाइट के मुताबिक, इनमें तेहरान, शिराज और मशहद समेत अन्य शहरों की उड़ानें शामिल हैं। इससे पहले, इस्तांबुल हवाई अड्डे के ऐप के अनुसार, तुर्की एयरलाइंस ने ईरान की राजधानी तेहरान जाने वाली शुक्रवार की पांच उड़ानें रद्द कर दी थीं। एएफपी ने फ्लाइट रडार वेबसाइट के हवाले से बताया कि तुर्की एयरलाइंस की शिराज जाने वाली एक उड़ान और पेगासस एयरलाइंस की मशहद जाने वाली एक अन्य उड़ान गुरुवार रात को ईरानी हवाई क्षेत्र से वापस लौट गईं।

सुधा कोंगारा की फिल्म को मिली हरी झंडी

(एजेन्सी)।
जन नायकन के बाद, सुधा कोंगारा और शिवकार्तिकेयन की आने वाली फिल्म परशक्ति को सेंसर से जुड़ी सभी समस्याओं से मंजूरी मिल गई है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने 10 जनवरी को रिलीज से पहले इसे U/A 16+सर्टिफिकेट दिया है। फिल्म का सर्टिफाइड रनटाइम दो घंटे, 42 मिनट और 43 सेकंड है। फिल्म के ऑफिशियल प्रोडक्शन हाउस, डॉन पिक्चर्स ने एक खास पोस्ट के साथ इस खबर का जश्न मनाया, "एक आग जो सभी उम्र के लोगों से बात करती है #परशक्ति को U/A सर्टिफिकेट मिला है-दुनिया भर के सिनेमाघरों में (sic)।" पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, "एक आग जो सभी उम्र के लोगों से बात करती है #परशक्ति को U/A सर्टिफिकेट मिला है-कल से दुनिया भर के सिनेमाघरों में #ParasakthiFromPongal #ParasakthiFromJan10?" मेकर्स के अनुसार, परशक्ति को व/अ सर्टिफिकेट मिला है, जिसका मतलब है कि इसे 16 साल से ज्यादा उम्र के दर्शक बड़ों की देखरेख में

देख सकते हैं। फिल्म का रनटाइम 2 घंटे और 42 मिनट है। जैसा कि प्लान था, जन नायकन रिलीज नहीं हो रही है, इसलिए परशक्ति अब वीकेंड बॉक्स ऑफिस और पोंगल रिलीज का फायदा उठाने के लिए तैयार है। परशक्ति में शिवकार्तिकेयन मुख्य भूमिका में हैं और इसे सुधा कोंगारा ने डायरेक्ट किया है। कास्ट में श्रीलीला भी हैं, जो फीमेल लीड के तौर पर तमिल डेब्यू कर रही हैं, और रवि मोहन विलेन की भूमिका में हैं। अथर्व मुरली फिल्म में शिवकार्तिकेयन के छोटे भाई का किरदार निभा रहे हैं। परशक्ति आंशिक रूप से 1965 में तमिलनाडु में हुए हिंदी विरोधी आंदोलनों से प्रेरित है। म्यूजिक के मामले में, GV प्रकाश कुमार अमरान के बाद शिवकार्तिकेयन के साथ फिर से काम कर रहे हैं। यह फिल्म प्रकाश का 100वां एल्बम भी है। शिवकार्तिकेयन के लिए, परशक्ति एक मील का पत्थर प्रोजेक्ट है क्योंकि यह लीड एक्टर के तौर पर उनकी 25वीं फिल्म है। यह भी ध्यान देने वाली बात है कि परसाशक्ति को मूल रूप से पुरनानूरु के तौर पर बनाया गया था, जिसमें अलग कास्ट थी जिसमें सूर्या, दुलकर सलमान, विजय वर्मा और नाजरिया शामिल थे। बाद में इस प्रोजेक्ट को फिर से बनाया गया और मौजूदा कास्ट के साथ इस पर काम किया गया।

भारत-बांग्लादेश तनाव का असर क्रिकेट पर, खिलाड़ियों की स्पॉन्सरशिप पर संकट

(एजेन्सी)।
क्रिकेट में इन दिनों बांग्लादेश क्रिकेट को लेकर अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है और इसका असर अब मैदान के बाहर खिलाड़ियों पर भी साफ दिखने लगा है। भारत के साथ जारी तनातनी के बीच बांग्लादेश के कई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों के भारतीय स्पॉन्सरशिप करार खतरे में पड़ते नजर आ रहे हैं।

बता दें कि इस पूरे विवाद की जड़ तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान का आगामी आईपीएल से बाहर होना रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार, कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल से पहले उन्हें अपने स्क्वाड से हटाया, जिसके पीछे बीसीसीआई का निर्देश बताया जा रहा है।

गौरतलब है कि इस फैसले के बाद मामला सिर्फ क्रिकेट तक सीमित नहीं रहा और यह एक संवेदनशील कूटनीतिक मुद्दे में बदल गया है। इसी पृष्ठभूमि में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल से संपर्क किया है और भारत में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 में अपनी भागीदारी को लेकर चिंता जताई है। इस अनिश्चितता का सीधा असर खिलाड़ियों के व्यावसायिक करियर पर भी पड़ता दिख रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारतीय खेल उपकरण कंपनी सैंसपेरेल्स ग्रीनलैंड्स ने कुछ बांग्लादेशी खिलाड़ियों के साथ स्पॉन्सरशिप समझौते आगे न बढ़ाने का मन बना लिया है, जिसमें टीम के कप्तान लिटन दास का नाम भी सामने आ रहा है। हालांकि अभी तक इस संबंध में कोई औपचारिक पत्र जारी नहीं हुआ है।

एक बांग्लादेशी खिलाड़ी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया है कि उन्हें इस बारे में कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है, जिससे टीम के भीतर भ्रम और बेचैनी का माहौल बना हुआ है। वहीं बीसीबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्वीकार किया है कि खिलाड़ी मानसिक दबाव में हैं और लगातार बोर्ड से भविष्य को लेकर सवाल कर रहे हैं।

यह स्थिति केवल खिलाड़ियों तक सीमित नहीं है बल्कि विदेशी कोचिंग स्टाफ भी असमंजस में है। सहयोगी स्टाफ के एक सदस्य का कहना है कि विश्व कप जैसे बड़े आयोजन से पहले इस तरह की अनिश्चितता सभी के लिए चिंताजनक है और उम्मीद है कि मामला जल्द सुलझेगा। मौजूद जानकारी के अनुसार, खिलाड़ियों के एजेंटों को यह संकेत भी मिले हैं कि अन्य भारतीय कंपनियां भी भविष्य में स्पॉन्सरशिप से दूरी बना सकती हैं। इससे बांग्लादेशी क्रिकेटरों के लिए आर्थिक और पेशेवर दोनों स्तरों पर चुनौती बढ़ सकती है।

इस बीच बीसीबी ने 4 जनवरी को हुई आपात बैठक के बाद आईसीसी को दो बार पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि सुरक्षा कारणों से बांग्लादेश के मैच भारत के बजाय श्रीलंका में कराए जाएं। हालांकि इस पर अभी तक आईसीसी का अंतिम फैसला आना बाकी है।

फिलहाल बांग्लादेश का कार्यक्रम कोलकाता और मुंबई में तय माना जा रहा है, जिससे अनिश्चितता और बढ़ गई है।

जमीन की रजिस्ट्री न किए जाने पर एमडी शुगर मिल की अध्यक्षता में कमेटी गठित करने के आदेश

डीसी अपराजिता ने सुनीं जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में शिकायतें

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक में समिति की उपाध्यक्षा एवं जिला उपायुक्त अपराजिता ने गांव देवबन में एक व्यक्ति की रजिस्ट्री न किए जाने की शिकायत पर एमडी शुगर मिल की अगुवाई में जांच कमेटी गठित करने के आदेश जारी किए हैं। साथ ही दो अन्य मामलों में जांच कमेटियों का गठन कर अगली बैठक में रिपोर्ट देने को कहा है।

समिति उपाध्यक्षा अपराजिता ने जिला कष्ट निवारण समिति के अध्यक्ष हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज के बैठक में न पहुंचने पर बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कुल 15 शिकायतों में से छह का मौके पर ही निपटारा कर दिया और नौ मामलों को लंबित रखते हुए अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। डीसी ने अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि आमजन की शिकायतों पर तुरंत संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करें। लोगों को बेवजह कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें। उन्होंने कहा कि जिला कष्ट निवारण समिति का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को न्याय दिलाना है। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। पुरानी शिकायतों में पिछली बैठक से लंबित चली आ रही ऋषि नगर निवासी नीतू मौण के भाई की हत्या के मामले में कार्रवाई संबंधी शिकायत में डीसी ने पुलिस को निर्देश दिए कि जब तक सीबीआई जांच शुरू नहीं होती, तब तक इस मामले में जो भी कार्रवाई हो, उसे शिकायतकर्ता को बताया जाए। डीसी ने जिला कष्ट निवारण समिति सदस्यों के आग्रह पर इस शिकायत को अगली बैठक के लिए भी लंबित रख लिया।

इसी प्रकार कैथल निवासी संध्या की लंबित शिकायत में पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज किए जाने की पुलिस द्वारा जानकारी दी गई। पुलिस ने इस प्रकार के अन्य मामलों को लेकर एडीसी कार्यालय से रिकॉर्ड की आवश्यकता बताई। जिला कष्ट निवारण समिति अध्यक्षा द्वारा एडीसी को निर्देश दिए गए कि पुलिस को आवश्यक रिकॉर्ड उपलब्ध करवाया जाए। इस शिकायत को लंबित रखा गया है।

अगली शिकायत चंदाना गेट निवासी एक महिला द्वारा उसकी बेटी के साथ छेड़छाड़ संबंधी थी। जिसमें पुलिस ने बताया कि शिकायत जांच में तथ्यात्मक नहीं मिली। पुलिस द्वारा शिकायतकर्ता द्वारा झूठी शिकायत दिए जाने पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इस शिकायत का निवारण कर दिया गया।

डीग निवासी ऋषिपाल द्वारा उसकी बेटी द्वारा आत्महत्या मामले में पिछली बैठक में जिला कष्ट निवारण समिति अध्यक्ष मंत्री अनिल विज द्वारा एडीसी, डीएसपी व गैर सरकारी सदस्य शक्ति सौदा की जांच कमेटी ने रिपोर्ट दी। पुलिस ने बताया कि मामले में न्यायालय में चालान पेश कर दिया गया है। इस मामले में लापरवाही मिलने पर पुलिस कर्मचारी संजय को निलंबित कर दिया गया था। साथ ही उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जा रही है। इस मामले का निपटान कर दिया गया।

इसी प्रकार से पुरानी शिकायतों में तितरम गांव निवासी संदीप मलिक की एफआईआर को करनाल हस्तांतरित किए जाने के मामले में पुलिस ने बताया कि पिछली बैठक में मंत्री अनिल विज द्वारा पुलिस आयुक्त पंचकूला द्वारा जांच करवाए जाने के निर्देशानुसार विभाग द्वारा मुख्यालय पत्राचार किया गया है। इस मामले को अगली बैठक के लिए लंबित रखा गया है।

बैठक में जिला भाजपा अध्यक्ष ज्योति सैनी, विधायक सतपाल जांबा, नगर पालिका सीवन चेयरपर्सन हेमलता सैनी, जिला कष्ट निवारण समिति सदस्य गोपाल सैनी, पूर्व चेयरमैन यशपाल प्रजापति, ऊषा मचल, शक्ति सौदा, शैली मुंजाल, सांसद नवीन जिंदल प्रतिनिधि रविंद्र धीमान, रघुबीर फौजी सहित गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। जिला प्रशासन की ओर से एसपी उपासना, एडीसी डा. सुशील कुमार, सीईओ जिला परिषद सुरेश राविश, डीएमसी कपिल कुमार, एमडी शुगर मिल कृष्ण कुमार, आरटीए गिरीश कुमार, गुहला एसडीएम कैप्टन प्रमेश कुमार, कलायत एसडीएम अजय हुड्डा, सीटीएम गुरविंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

वार्ड 11 की गली में गहरे गड्ढे से हादसों का खतरा, नागरिकों ने नगर पालिका से सहयोग की अपील की

रामलीला ग्राउंड के पास गली व नाली पक्की कराने की मांग

एसबी संवाददाता

राजौंद। नगर राजौंद के वार्ड नंबर 11 में रामलीला ग्राउंड के पास स्थित गली में बने गहरे गड्ढे को लेकर स्थानीय नागरिकों में चोटील होने का भय बना हुआ है। समस्या के समाधान को लेकर वार्ड 11 के निवासियों ने नगर पालिका राजौंद सचिव को एक लिखित प्रार्थना पत्र लिख कर गड्ढा भरवाने तथा गली व नाली को पक्का करवाने की मांग की है।

नागरिकों ने बताया कि उक्त गली में लगभग तीन फिट गहरा और पांच फिट चौड़ा गड्ढा बना हुआ है। जिसका आकार बढ़ता जा रहा है। पक्की नाली न होने के कारण नाली का पानी जमीन में समा रहा है, जिससे गली धंस गई है। यह स्थिति राहगीरों, बच्चों व वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बनी हुई है और किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।

वार्डवासियों का कहना है कि गली कच्ची होने और गहरे गड्ढे के कारण आए दिन लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए इस गड्ढे को जल्द से जल्द भरवाकर गली व नाली को पक्का कराया जाए।

नागरिकों ने यह भी स्पष्ट किया कि गली व नाली के पक्के निर्माण को लेकर किसी भी निवासी को कोई आपत्ति नहीं है। सभी ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की अपील करते हुए कहा कि समस्या का समाधान होने से दुर्घटनाओं पर रोक लगेगी और आम जनता को राहत मिलेगी।

इस साल हरियाणा से शुरू होगी बी.एस.एन.एल. की 5जी सेवा, दिल्ली नेटवर्क भी हुआ मर्ज

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। भारत संचार निगम लिमिटेड (बी.एस.एन.एल.) की 5जी मोबाइल इंटरनेट सेवा इस वर्ष हरियाणा से शुरू होने की उम्मीद है। करनाल सर्कल के महाप्रबंधक अनिल कुमार ने बताया कि देश में बी.एस.एन.एल. की 4जी सेवाएं पहले ही 2024 में हरियाणा से शुरू की जा चुकी हैं और अब 5जी सेवा की टेस्टिंग चेन्नई स्थित टेस्टिंग सेंटर में चल रही है। मौजूदा 4जी साइट्स को ही अपग्रेड कर 5जी में बदला जाएगा। उन्होंने कहा कि 4जी और 5जी दोनों ही भारत की स्वदेशी तकनीक हैं और भारत दुनिया का पांचवां देश है जिसने 4जी व 5जी की कोर तकनीक विकसित की है।

नवनियुक्त जी.एम. अनिल कुमार शुक्रवार को सेक्टर-8 स्थित बी.एस.एन.एल. कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मोबाइल सेवा के लिए नया इक्वीपमेंट अब हरियाणा परिमंडल के अंतर्गत लगाया जाएगा। दिल्ली में पहले एम.टी.एन.एल. का नेटवर्क था, जिसे अब बी.एस.एन.एल. हरियाणा में मर्ज कर दिया गया है। दिल्ली में करीब 10 हजार नए मोबाइल टॉवर लगाए जाएंगे, जिससे बी.एस.एन.एल. की सेवाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी। साथ ही करनाल क्षेत्र में भी 5जी सेवा शुरू करने की योजना है, जिसके लिए अतिरिक्त मोबाइल टॉवर लगाए जाएंगे।

महाप्रबंधक ने बताया कि हरियाणा में अब तक करीब 70 प्रतिशत ग्राम पंचायतों को फाइबर नेटवर्क से जोड़ दिया गया है, जिससे गांवों में तेज गति से इंटरनेट सुविधा उपलब्ध हो रही है। यह परियोजना तीन वर्ष पहले शुरू की गई थी। पिछले वर्ष सभी पंचायतों को जोड़ने का लक्ष्य तय किया गया था। योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में 10 कनेक्शन निःशुल्क दिए गए हैं तथा गांवों के सभी सरकारी संस्थानों को भी फाइबर कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। इस परियोजना में बी.एस.एन.एल. और राज्य सरकार ने संयुक्त रूप से सहयोग किया है। इस अवसर पर डी.जी.एम. ऑपरेशंस पी.एस. देशवाल ने बताया कि करनाल, पानीपत, कैथल और कुरुक्षेत्र जिलों में फाइबर आधारित इंटरनेट कनेक्शनों की संख्या 35 हजार से अधिक हो चुकी है, जबकि पूरे हरियाणा में यह संख्या लगभग 1.90 लाख है।

केंद्र सरकार ने लक्ष्य दिया है कि करनाल सर्कल के अंतर्गत इन चार जिलों में अगले तीन महीनों तक हर माह 3 हजार नए कनेक्शन लगाए जाएं। उन्होंने बताया कि हरियाणा में बी.एस.एन.एल. की मोबाइल सिम सेवा का उपयोग करने वाले करीब 12 लाख उपभोक्ता हैं, जिनमें से लगभग 2 लाख उपभोक्ता इन चार जिलों में हैं। इस मौके पर ए.जी.एम. प्लानिंग प्रह्लाद कुमार भी उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री आबिद रजा व चेयरमैन फात्मा रजा ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

संजना भारती ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूं। शीतलहर और कड़ाके की ठंड को देखते हुए पूर्व मंत्री आबिद रजा व चेयरमैन फात्मा रजा ने मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए देर रात नगर के विभिन्न स्थानों पर जैसे प्राइवेट बस स्टैंड पर बने अस्थायी रैन बसेरा, रेलवे स्टेशन, शेल्टर होम सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों का भ्रमण कर जरूरतमंदों को कंबल बांटे। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याएं भी सुनीं और उनके समाधान का आश्वासन दिया।

कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान साफ नजर आई। जरूरतमंदो ने कहा कि इस भीषण ठंड में कंबल मिलना उनके लिए किसी राहत से कम नहीं है। उन्होंने पूर्व मंत्री आबिद रजा एवं चेयरमैन फात्मा रजा का आभार व्यक्त करते हुए इस पहल को जरूरतमंद गरीबों के लिए संजीवनी बताया।

शामगढ़ में दो दिवसीय चौथा आलू मेला

किसान उन्नत किस्में, गुणवत्तापूर्ण बीज व आधुनिक कृषि तकनीक अपनाएं: सैनी

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। आलू प्रौद्योगिकी केंद्र शामगढ़ में आज दो दिवसीय चौथे आलू मेले का शुभारंभ बागवानी विभाग के अध्यक्ष डा. अर्जुन सिंह सैनी ने किया। मेले में 600 से अधिक किसानों ने पंजीकरण कराया। इस मौके पर श्री सैनी ने किसानों को वैज्ञानिक खेती के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही आलू एक्सपो के महत्त्व, आलू बीज उत्पादन की उन्नत तकनीकों तथा किसानों की आय वृद्धि पर प्रकाश डाला। मेले में लक्की ड्रा का आयोजन भी किया गया जिसमें पांच किसानों को पुरस्कार स्वरूप दोहरी बैटरी संचालित स्प्रे पंप प्रदान किए गए।

उद्यान विभाग के उपनिदेशक डॉ. मनोज भानुकर ने मुख्य अतिथि को पुष्प-गुच्छ व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मेले में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की करीब 20 कंपनियों द्वारा आलू उत्पादन, बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि यंत्र तथा नवीन तकनीकों का प्रदर्शन किया। विभागाध्यक्ष डा. अर्जुन सैनी ने मेले में लगाए स्टाल्स का भ्रमण करते हुए कंपनियों के प्रतिनिधियों एवं किसानों से संवाद किया। उन्होंने प्रदर्शित तकनीकों, उत्पादों व सेवाओं की जानकारी ली। किसानों से उनकी समस्याओं, अनुभवों और अपेक्षाओं पर चर्चा की। डा. सैनी ने किसानों को उन्नत किस्मों, गुणवत्तापूर्ण बीज एवं आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने की सलाह दी। कंपनियों को किसानों की आवश्यकता के अनुरूप समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

डा. अर्जुन सैनी ने इस अवसर पर कहा कि यह मेला किसानों को नवीन तकनीकों से जोड़ने, जानकारी सांझा करने और आपसी संवाद को मजबूत करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने मेले में बड़ी संख्या में सहभागिता के लिए किसानों की सराहना की और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए वैज्ञानिक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

बागवानी अधिकारियों का दौरा- मेले में सीएसएसआईआर में आयोजित की जा रही दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लेने वाले विभिन्न जिलों के बागवानी अधिकारी भी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने आलू प्रौद्योगिकी केंद्र का दौरा कर वहां की प्रमुख गतिविधियों की जानकारी ली। अधिकारियों को एरोपोनिक्स नेट हाउस, टिशू कल्चर प्रयोगशाला एवं अन्य उन्नत तकनीकी सुविधाओं का अवलोकन कराया गया। इस भ्रमण से अधिकारियों को आधुनिक अनुसंधान एवं तकनीकों की व्यवहारिक समझ प्राप्त हुई।

किसानों के लिए लक्की ड्रा- इस मौके पर किसानों के लिए लक्की ड्रा का आयोजन किया गया जिसमें पांच किसानों संदीप हथवाला, बिट्टू शाहाबाद, कृष्ण लाल उमरी, संतोष रम्बा व रमेश हथवाला को पुरस्कार स्वरूप दोहरी बैटरी चालित स्प्रे पंप प्रदान किए गए।

इस अवसर पर उप निदेशक डा. मनोज भानुकर द्वारा डा. एमएस कादियान और संयुक्त निदेशक डा. सुधीर यादव को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

विधायक सतपाल जांबा ने निजी कार्यालय जांबा में सुनी आमजन की समस्याएं

दैनिक कार्य प्रणाली के तहत लोगों से मिले, कहा-विधानसभा क्षेत्र के लोग मेरा परिवार है

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

पूंडरी। विधानसभा पुंडरी के विधायक सतपाल जांबा ने शुक्रवार को अपने निजी कार्यालय जांबा में दैनिक कार्य प्रणाली के अंतर्गत क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए नागरिकों की समस्याएँ सुनी और उनके समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए। विधायक ने कहा कि लोगों से नियमित मुलाकात और उनकी समस्याओं को समझना उनके कार्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा-यह जनता मेरा परिवार है। इनके सुख-दुख में साथ खड़ा रहना मेरा कर्तव्य भी है और जिम्मेदारी भी। विधायक जांबा ने प्रत्येक व्यक्ति की बात ध्यानपूर्वक सुनी और कई मामलों में तत्काल विभागीय अधिकारियों से फोन पर बातचीत कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराई। समस्या लेकर आए लोगों ने विधायक द्वारा दिखाई गई तत्परता की सराहना की। क्षेत्रवासियों ने कहा कि विधायक द्वारा निरंतर रूप से नागरिकों से मिलना और उनकी समस्याओं पर तुरंत प्रतिक्रिया देना एक सकारात्मक और भरोसेमंद व्यवस्था को दर्शाता है।

राजवाहा पुल की मरम्मती के लिए अजय ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

संजना भारती संवाददाता

डुमरांव। डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल के पूर्वी दिशा में स्थित राजवाहा पुल जर्जर स्थित में होने के कारण आय दिन किसी बड़े दुर्घटना को आमंत्रित कर रहा है जिसकी जिसकी गंभीरता को देखते हुए युवा समाजसेवी अजय राय ने जर्जर स्थिति में पड़े राजवाहा पुल के मरम्मती के लिए डुमरांव एडीएम राकेश कुमार को ज्ञापन सौंपा है पड़े पुलिया को जल्द जल्द मरम्मती अजय ने एसडीएम को दिए गए पत्र में उल्लेखित किया है की डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल के पूर्वी दिशा में अवस्थित राजवाहा पुल जो की अरैला, बांझु डेरा, नंदन, लाखन डिहरा, BMP-4, अरीयाँव सहित कई गाँवो को जोड़ने वाली पुलिया पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। जिसके कारण हर पल किसी न किसी बड़ी घटना-दुर्घटना घटने का डर बना रहता है वही एसडीएम ने सकरात्मक रूख अपनाते हुए राजवाहा पुल को जल्द से जल्द मरम्मती कराने का आश्वासन दिया जिसके लिए अजय ने एसडीएम का आभार भी व्यक्त किया।

ड्रॉपआउट बच्चों को फिर स्कूल से जोड़ने के लिए शिक्षा विभाग की पहल, राजौंद में घर-घर सर्वे शुरू

शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए वार्ड 3 व 13 में राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल की टीम ने किया सर्वे

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजकीय मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल हरियाणा के स्कूल शिक्षा विभाग ने विभिन्न कारणों से स्कूल छोड़ चुके (ड्रॉपआउट) बच्चों को दोबारा शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष मुहिम शुरू की है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के तहत ऐसे सभी बच्चों को वापस स्कूलों में लाने के उद्देश्य से शिक्षकों द्वारा घर-घर जाकर सर्वे किया जा रहा है।

इसी क्रम में शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल राजौंद के स्कूल मुखिया रामभक्त के नेतृत्व में विद्यालय की टीम ने नगर के वार्ड नंबर 3 और 13 में सर्वे किया। इस दौरान टीम ने उन बच्चों की पहचान की जो किसी कारणवश स्कूल छोड़ चुके हैं।

स्कूल मुखिया रामभक्त ने बताया कि शिक्षा विभाग का उद्देश्य छह से 14 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों को अनिवार्य रूप से स्कूल से जोड़ना है, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। इसके लिए स्कूल जाने वाले तथा ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान हेतु विस्तृत सर्वे योजना बनाई गई है। उन्होंने जानकारी दी कि इस सर्वे के अंतर्गत छह से 14 वर्ष तथा 16 से 19 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थियों का पंजीकरण किया जाएगा। स्कूल स्तर पर यह सर्वे पहली जनवरी से नौ जनवरी तक किया जा रहा है। सर्वे कार्य में प्राइमरी स्कूलों के शिक्षक एवं एजुकेशन वालंटियर शामिल हैं, जिन्हें आउट ऑफ स्कूल बच्चों की सूची उपलब्ध करवाई गई है।

इस सर्वे टीम में मुख्य शिक्षक रामभगत, दलबीर, अनिल कुमार, जसबीर सिंह, संदीप, सुरेश कुमार एवं अध्यापिका सुदेश शामिल रहे।

शिक्षा विभाग की इस पहल से ड्रॉपआउट बच्चों के दोबारा स्कूल लौटने की उम्मीद जगी है।

श्री हिंदू तख्त का विदेशों में बजा डंका, सनातन की लहर से जुड़ रहे हैं देश-विदेश के सनातनी

संजना भारती संवाददाता

पंचकूला। सनातन धर्म की मजबूती और एकता को लेकर निरंतर सक्रिय श्री हिंदू तख्त आज देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अपनी मजबूत पहचान बना चुका है। श्री हिंदू तख्त की विचारधारा, कार्यक्रमों और सामाजिक-धार्मिक अभियानों की गूंज अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुनाई देने लगी है। विदेशों में बसे सनातन प्रेमियों के बीच श्री हिंदू तख्त के कार्यों की सराहना हो रही है और बड़ी संख्या में लोग संगठन से जुड़ रहे हैं।

श्री हिंदू तख्त के अध्यक्ष महंत प्रवीण कुमार के नेतृत्व में संगठन ने सनातन धर्म को जोड़ने, उसकी परंपराओं को सशक्त करने और समाज में संस्कारों को पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया है। महंत प्रवीण कुमार का स्पष्ट संदेश है कि ह्लसनातन केवल आस्था नहीं, बल्कि जीवन पद्धति है, जिसे जोड़ना और आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य के साथ श्री हिंदू तख्त देश-विदेश में धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सनातन की अलख जगा रहा है।

देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ अब विदेशों से भी सनातनी संगठन, साधु-संत और समाजसेवी श्री हिंदू तख्त से जुड़ रहे हैं। यह जुड़ाव न केवल संगठन की बढ़ती ताकत को दर्शाता है, बल्कि सनातन धर्म की वैश्विक स्वीकार्यता का भी प्रमाण है। विदेशों में आयोजित धार्मिक संवाद, ऑनलाइन माध्यमों से जुड़े कार्यक्रम और सनातन मूल्यों पर आधारित अभियान इस विस्तार में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

श्री हिंदू तख्त का लक्ष्य स्पष्ट है-सनातन को जोड़ना, संस्कारों को बचाना और आने वाली पीढ़ियों तक धर्म की मजबूत विरासत पहुंचाना। संगठन का मानना है कि एकजुट सनातनी समाज ही राष्ट्र और संस्कृति को मजबूत बना सकता है। आने वाले समय में श्री हिंदू तख्त देश-विदेश में और भी व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर सनातन की इस लहर को और तेज करना है।

आर. बी. कालेज में सेवा निवृत्त प्राध्यापक के निधन पर शोक सभा आयोजित

एसबी ब्यूरो

दलसिंहसराय। रामाश्रय बालेश्वर महाविद्यालय, दलसिंहसराय के गणित विभाग के सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जीवन कुमार दास के असामयिक निर्धन पर महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. वीरेन्द्र कुमार चौधरी के नेतृत्व में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। डॉ.दास ने दो हजार नौ तक महाविद्यालय की सेवा की थी। उनके द्वारा की गई महाविद्यालय की सेवा को याद करते हुए महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने उनके प्रति भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मौके पर महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित थे।

सोशल मीडिया सिर्फ प्रमोशन का जरिया नहीं, समाज में सकारात्मकता फैलाने का भी प्लेटफॉर्म : अदा शर्मा

अभिनेत्री अदा शर्मा सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं और अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट कर प्रशंसकों के साथ जुड़ी रहती हैं। खास बात है कि वह इस प्लेटफॉर्म को केवल अपनी फिल्मों के प्रमोशन का जरिया नहीं मानतीं। उनके लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां वह लोगों को प्रेरित कर सकती हैं, जागरूकता फैला सकती हैं और दूसरों की जिंदगी में खुशी ला सकती हैं। न्यूज एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में अदा ने सोशल मीडिया पर अपनी राय साझा की। अदा से जब पूछा गया कि आज के समय में वह सोशल मीडिया को कितना महत्व देती हैं तो उन्होंने बताया, " मेरे लिए सोशल मीडिया का मतलब सिर्फ फिल्मों या प्रोजेक्ट्स का प्रमोशन नहीं है। यह एक ऐसी जगह है, जहां कई सकारात्मक काम किए जा सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, मैं हाथियों के कल्याण के लिए रिहैबिलिटेशन सेंटर्स के साथ मिलकर काम करती हूं।" अदा ने सोशल मीडिया के महत्व पर एक उदाहरण देते हुए बताया, "हाथी बाहर से बहुत बड़े और मजबूत लगते हैं, लेकिन जब इंसान उन्हें कैद में रखते हैं, जैसे सर्कस में, तो उनकी हालत बहुत बुरी हो जाती है। सर्कस में हाथियों की पीठ पर भारी वजन रखा जाता है, जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी टूट जाती है। उन्हें पीटा जाता है और वे दर्द में भी चुप रहते हैं क्योंकि बोल नहीं सकते। मैंने कई वीडियो पोस्ट किए, जिसे देखकर कई लोगों ने बताया कि उन्हें पहले नहीं पता था कि हाथी की सवारी करना गलत है। सर्कस में हाथियों की स्थिति देखकर दिल टूट जाता है। इतने बड़े जानवर को इंसान घुटनों के बल ला देते हैं। मैं सोशल मीडिया के जरिए ऐसी चीजों को उजागर करती हूं।" उन्होंने बताया, " इसके अलावा, मैं स्ट्रीट डॉग्स के एडॉप्शन को बढ़ावा देने और प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करने की भी अपील सोशल मीडिया के जरिए करती हूं। इसके परिणाम काफी सकारात्मक रहे हैं। मैं शाकाहारी हूं और अपने नाश्ते या खाने की तस्वीरें डालती हूं, सच बताऊं तो इससे कई लोग प्रेरित होकर शाकाहारी बन चुके हैं। शाकाहारी भोजन में भी भरपूर प्रोटीन होता है। इससे मांसपेशियां, ताकत, स्टैमिना, सुंदरता, अच्छी त्वचा और बाल सब कुछ मिल सकता है। लोग गलत समझते हैं कि मजबूत बनने के लिए केवल मांसाहार जरूरी है।" इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री के 10 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इसलिए अदा मानती हैं कि उन्हें भी कुछ वापस देना चाहिए। सोशल मीडिया के जरिए वह यही करती हैं। अदा ने बताया, "आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई तनाव में है। अगर एक वीडियो या पोस्ट से किसी के चेहरे पर मुस्कान आ जाए या किसी का दिन अच्छा बन जाए, तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

'मूड रखो अच्छा, फ्रिक को कहो अलविदा', ऋतिक रोशन ने फिटनेस से मचाया धमाल

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन हमेशा से अपनी अदाकारी और फिटनेस को लेकर चर्चा में रहते हैं। वह सोशल मीडिया के जरिए फैंस से जुड़े रहते हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक बीटीएस वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपने एब्स को फ्लॉन्ट करते हुए दिख रहे हैं। ऋतिक ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, "मूड रखो अच्छा, टेंशन को कहो अलविदा।" इसके अलावा, वीडियो के बैकग्राउंड में उन्होंने 1972 की फिल्म 'जवानी दीवानी' का लोकप्रिय गाना 'सामने ये कौन आया' का इस्तेमाल किया। यह गाना उस दौर का आइकॉनिक सॉन्ग है। ऋतिक रोशन इन दिनों ओटीटी डेब्यू को लेकर काफी चचाओं में हैं। वह प्रोड्यूसर के तौर पर एक थ्रिलर प्रोजेक्ट 'स्टॉर्म' लेकर आ रहे हैं। इस शो का निर्माण प्राइम वीडियो के सहयोग से हो रहा है। फैंस इस नई थ्रिलर को लेकर उत्साहित हैं। इस सीरीज को अजितपाल सिंह डायरेक्ट कर रहे हैं। अजितपाल सिंह पहले वेब सीरीज 'टब्बर' और 'फायर इन द माउंटेंस' जैसी फिल्मों को निर्देशित कर चुके हैं। इसके अलावा, ऋतिक जल्द ही 'कृष 4' में डायरेक्शन और एक्टिंग दोनों करेंगे। इस फ्रेंचाइजी की सबसे पहली फिल्म साल 2003 में 'कोई... मिल गया' आई थी। इसमें ऋतिक के साथ प्रीति जिंटा और रेखा समेत कई सितारे नजर आए। इसका निर्देशन राकेश रोशन ने किया था। फिल्म को जबरदस्त सफलता मिली। इसके बाद राकेश रोशन ने साल 2006 में फिल्म 'कृष' को रिलीज किया। इसमें ऋतिक के साथ प्रियंका चोपड़ा, नसीरुद्दीन शाह, शरत सक्सेना और मानिनी मिश्रा भी थे। इस फिल्म के भी सुपरहिट होने के बाद 2013 में 'कृष 3' रिलीज हुई। इसे भी राकेश रोशन ने ही प्रोड्यूस किया। इसमें विवेक ओबेरॉय और कंगना रनौत शामिल हुए। राकेश रोशन ने एक इंटरव्यू में 'कृष 4' की रिलीज डेट को लेकर बयान जारी किया था। उन्होंने कहा, "फिल्म पर काम तेजी के साथ चल रहा है। हम 2027 में फिल्म रिलीज की प्लानिंग कर रहे हैं।"

परख मदन के लिए मुश्किल था लंबी बीमारी के बाद काम पर लौटना

बताया मुख्य भूमिकाएं छोड़कर क्यों चुनने पड़े साइड रोल

जीटीवी के पॉपुलर सीरियल 'भाग्य लक्ष्मी' में आंचल के रोल से सबका दिल जीतने वाली परख मदन दो दशकों से अधिक से टीवी पर सक्रिय हैं। अभिनेत्री ने टीवी जगत में आए बदलाव और अपने करियर के बारे में आईएएनएस से खुलकर बात की है। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि बीमारी के बाद वापस टीवी जगत में लौट पाना कितना चुनौतीपूर्ण रहा था। सवालः आपने अपने साक्षात्कारों में अक्सर कहा है कि आपने टेलीविजन उद्योग में एक बड़ा बदलाव देखा है। जब आपने शुरूआत की थी, तब की तुलना में आज का टेलीविजन कितना बदल गया है? जवाबः जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे अपने सफर की शुरूआत किए लगभग दो दशक हो चुके हैं। यह सफर हमेशा निरंतर नहीं रहा। ऐसे दौर भी आए जब मैं बहुत सक्रिय थी और ऐसे समय भी आए जब मैंने कुछ समय के लिए काम से ब्रेक लिया। हालांकि, उद्योग में बहुत बड़ा बदलाव आया है। पहले टेलीविजन में, प्रोडक्शन हाउस उतने संगठित नहीं थे जितने आज हैं। आज हम जो सिस्टम, विभागों के बीच समन्वय, निर्धारित भूमिकाएं और पेशेवर रवैया देखते हैं, वे उस समय मौजूद नहीं थे। मेरे विचार से, मनोरंजन उद्योग में आए सबसे बड़े बदलावों में से एक यही है। उस समय, सीमित चैनल थे और कोई स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नहीं थे। आज, अनगिनत प्लेटफॉर्म और अवसर हैं, जिससे प्रतिस्पर्धा और अवसर दोनों में वृद्धि हुई है। सवालः आपने इतने सालों में कई तरह के किरदार निभाए हैं। क्या आपके करियर में कोई ऐसा मोड़ आया जिसने एक एक्ट्रेस के रूप में आपकी सोच को बदल दिया? जवाबः हां बिल्कुल, लंबे समय तक मैंने यह ठान लिया था कि मैं केवल मुख्य भूमिकाएं ही निभाऊंगी।

सामंथा की नई तेलुगु फिल्म का पहला पोस्टर रिलीज, एक्शन अंदाज में दिखी

साउथ एक्ट्रेस सामंथा की आने वाली तेलुगु फिल्म 'मां इनति बंगारम' है। इस फिल्म को उनके पति और प्रोड्यूसर राज निदिमोरु ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म की निर्देशक नंदिनी रेड्डी हैं। बुधवार को सामंथा की इस फिल्म का पहला पोस्टर लुक सामने आया है। साड़ी पहने एक्शन अंदाज में दिखीं सामंथा तेलुगु फिल्म 'मां इनति बंगारम' के पोस्टर में सामंथा ने साड़ी पहनी है। उनका किरदार गुस्से में नजर आ रहा है। वह बिल्कुल एक्शन मोड में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस के इस लुक पर उनके फैंस ने भी रिएक्शन दिया और उनको सराहा है। कब रिलीज होगा फिल्म का टीजर फिल्म 'मां इनति बंगारम' के पोस्टर रिलीज के साथ ही मेकर्स ने इसके टीजर, ट्रेलर की तारीख भी शेयर की है। इस फिल्म का टीजर दर्शकों को 9 जनवरी 2026 को देखने को मिलेगा। इसके रिलीज का समय भी बताया गया है। 9 जनवरी को सुबह दस बजे फिल्म 'मां इनति बंगारम' का टीजर सामंथा के फैंस देख पाएंगे। सामंथा इस वेब सीरीज में भी आएंगी नजर 'सिटाडेल हनी बनी' और 'फैमिली मैन 2' जैसी हिट वेब सीरीज करने के बाद सामंथा एक और वेब सीरीज का हिस्सा बनी हैं। इस वेब सीरीज को भी राज निदिमोरु प्रोड्यूस कर रहे हैं। सीरीज का नाम 'रक्त ब्रह्मांड' है। यह एक एक्शन सीरीज होगी।

यश राज फिल्म्स ने 'धुरंधर' को बताया भारतीय सिनेमा के 'मील का पत्थर', भावुक हुए रणवीर

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' का बॉक्स ऑफिस पर धमाल जारी है। चाहे आम जनता हो या फिल्मी सितारे, हर कोई फिल्म की तारीफ कर रहा है। इसी कड़ी में यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर न केवल फिल्म को शानदार, बल्कि भारतीय सिनेमा के मील का पत्थर बताया। देश में 700 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर चुकी 'धुरंधर' की यश राज फिल्म्स ने खूब तारीफ की है। कंपनी ने इसे भारतीय सिनेमा का एक यादगार मील का पत्थर बताया और निर्देशक आदित्य धर तथा जियो स्टूडियोज को बधाई दी। यश राज फिल्म्स ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, " 'धुरंधर' अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी भाषा की भारतीय फिल्म बन गई है। यह एक फिल्म नहीं है... यह भारतीय सिनेमा के मील का पत्थर है, जिसे हमेशा याद रखा जाएगा।ह्व कंपनी ने आदित्य धर और जियो स्टूडियोज को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी। आदित्य धर की तारीफ करते हुए लिखा, "जहाज के कप्तान की तरह आदित्य ने अपने मकसद की साफगोई दिखाई, बिना डरे कहानी सुनाने का साहस दिखाया और बेहतरीन काम करने का पक्का इरादा रखा। इससे भारतीय सिनेमा के लिए एक नया मानक स्थापित हुआ है। फिल्म के हर कलाकार और तकनीशियन को धन्यवाद।" कंपनी ने लिखा, ह्लहमें ऐसा सिनेमा देने के लिए धन्यवाद जो हमें रचनात्मक उत्कृष्टता की खोज में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। असली धुरंधर वही लोग हैं जिन्होंने फिल्म के विचार को बड़े पर्दे पर इतने जोरदार और शानदार तरीके से प्रस्तुत किया।" इस पोस्ट पर अभिनेता रणवीर सिंह ने भावुक प्रतिक्रिया दी।

'लक्ष्मी निवास' में अपने किरदार को लेकर अक्षिता मुदगल ने कहा

इतना सरल और जमीन से जुड़ा किरदार निभाना अपने आप में खास एहसास

जी टीवी का आने वाला फैमिली ड्रामा 'लक्ष्मी निवास' टेलीविजन पर एक ऐसी कहानी लेकर आ रहा है, जो देश के मिडिल क्लास संयुक्त परिवारों की रोजमर्रा की सच्चाइयों से गहराई से जुड़ी है। सपनों, जिम्मेदारियों और साथ निभाने की भावना के बीच बुना गया यह शो उन उम्मीदों को सामने रखता है, जो बड़ी खामोशी से कई घरों की ज़िंदगी को दिशा देती हैं, खासकर अपना घर बनाने का सपना और बच्चों का भविष्य सुरक्षित देखने की चाह।इस भावनात्मक सफर में एक नई परत जोड़ते हुए 'लक्ष्मी निवास' में अक्षिता मुदगल राधिका के किरदार में नजर आएंगी, जो लक्ष्मी और श्रीनिवास की बड़ी बेटी हैं। अपने किरदार को लेकर बात करते हुए अक्षिता मुदगल कहती हैं, 'राधिका एक ऐसी लड़की है, जो अपनी ज़िंदगी अपने माता-पिता और अपने परिवार के लिए जीती है। उसे अपने भाई-बहनों से बहुत लगाव है और उसके लिए परिवार ही उसकी पूरी दुनिया है। उसके सपने भी अपने माता-पिता की खुशियों से जुड़े हुए हैं। अगर वे चाहते हैं कि वो शादी करे और खुश रहे, तो वो उनके लिए यह करने को तैयार है। यही उसकी असली मजबूती है। वो समझदार है, शांत है और टकराव के हालात में भी परिवार की अहमियत समझती है। राधिका बहुत सरल और जमीन से जुड़ी हुई है। वो असल ज़िंदगी में मुझसे काफी अलग है, लेकिन उसके किरदार की दुनिया में उतरना मुझे सच में अच्छा लग रहा है।'